Model Answer

Que. The development of the rural urban fringe areas is highly unplanned and is causing several issues. Explain.

The **Rural-Urban Fringe** is a transitional zone where the urban area meets and interacts with the rural countryside. It serves as a dynamic interface between urban-industrial and rural-agricultural systems, characterized by:

1. **Land Use Transformation**: A mix of urban (residential, industrial, commercial) and rural (agriculture, forestry) land uses.
2. **Socio-Economic Transition**: Gradual shift in livelihood patterns from farming to urban-centric jobs.
3. **Spatial Dynamics**: Expansion of urban infrastructure into rural landscapes, often creating suburbanized zones.

Issues Caused by Unplanned Development

1. **Environmental Degradation**
   - **Deforestation**: Expansion of urban areas encroaches on forests and agricultural land.
   - **Pollution**: Improper waste disposal and lack of sewage systems contribute to air, water, and soil pollution.
   - Example: In Gurugram's peri-urban areas, untreated industrial waste has led to groundwater contamination.
2. **Pressure on Infrastructure**
   - **Water Scarcity**: Increased demand for water with inadequate supply infrastructure.
   - **Traffic Congestion**: Poorly planned road networks fail to handle growing traffic.
   - Example: Areas around Bengaluru face daily water shortages despite being close to urban centres.
3. **Social Disruptions**
   - **Loss of Livelihoods**: Farmers lose land to urban expansion but lack alternative employment opportunities.
   - **Cultural Conflicts**: Rapid influx of urban lifestyles leads to social tensions in traditional rural communities.
4. **Unregulated Construction and Urban Sprawl**
   - Urban sprawl often leads to the loss of agricultural land and ecological systems.Example: The National Capital Region (NCR) has seen uncontrolled sprawl, causing loss of green cover and increased pollution.
5. **Health Concerns**
   - Poor sanitation and lack of healthcare facilities in fringe areas lead to public health crises. Example: In peri-urban areas of Mumbai, high population density coupled with poor waste management has led to frequent disease outbreaks.

Causes of Unplanned Development

- **Inadequate Policies**: Lack of integrated planning between rural and urban authorities.
- **Population Growth**: Increased migration to cities places pressure on fringe areas.
- **Weak Zoning Laws**: Poor enforcement of regulations results in illegal constructions.
- **Economic Pressures**: Rising real estate demand leads to ad hoc development.

Unplanned development of rural-urban fringe areas poses a significant challenge to sustainable growth. Addressing this requires integrated policies, stronger governance, and investment in infrastructure. A planned approach will not only mitigate the issues but also ensure inclusive development, balancing urban expansion with rural well-being.

Samyak
An Institute For Civil Services

प्रश्नः ग्रामीण-शहरी सीमांत क्षेत्रों का विकास अत्यधिक अनियोजित है और यह कई समस्याएं उत्पन्न कर रहा है। समझाइए।

ग्रामीण-शहरी सीमान्त क्षेत्र एक संक्रमणकालीन क्षेत्र है जहाँ शहरी क्षेत्र ग्रामीण इलाकों से मिलता है । यह शहरी-औद्योगिक और ग्रामीण-कृषि प्रणालियों के मध्य एक गतिशील इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करता है, जिसकी विशेषताएँ हैं:

- ***भूमि उपयोग परिवर्तनः*** *शहरी (आवासीय, औद्योगिक, वाणिज्यिक) और ग्रामीण (कृषि, वानिकी) भूमि उपयोग का मिश्रण।*
- ***सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनः*** *खेती से लेकर शहर-केंद्रित नौकरियों तक आजीविका पैटर्न में क्रमिक परिवर्तन।*
- ***स्थानिक गतिशीलताः*** *शहरी अवसंरचना का ग्रामीण परिदृश्य में विस्तार, अक्सर उपनगरीय क्षेत्रों का निर्माण।*

अनियोजित विकास से उत्पन्न समस्याएँ

- ***पर्यावरण का क्षरण***
  - ***वनोन्मूलनः*** *शहरी क्षेत्रों का विस्तार वनों और कृषि भूमि पर अतिक्रमण करता है।*
  - ***प्रदूषणः*** *अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन और सीवेज सिस्टम की कमी वायु, जल और मृदा प्रदूषण में योगदान करती है।*
  - ***उदाहरणः*** *गुरुग्राम के उपनगरीय क्षेत्रों में, अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट के कारण भूजल संदूषण हुआ है।*
- ***अवसंरचना पर दबाव***
  - ***जल की किल्लतः*** *अपर्याप्त आपूर्ति ढाँचे के साथ पानी की बढ़ती मांग।*
  - ***यातायात संकुलनः*** *खराब तरीके से नियोजित सड़क नेटवर्क बढ़ते यातायात को संभालने में विफल हैं।*
  - ***उदाहरणः*** *शहरी केंद्रों के करीब होने के बावजूद बेंगलुरु के आसपास के इलाकों में रोजाना पानी की किल्लत रहती है।*
- ***सामाजिक व्यवधान***
  - ***आजीविका का क्षरणः*** *शहरी विस्तार के कारण किसानों की भूमि नष्ट हो रही है, परन्तु उनके पास रोजगार के वैकल्पिक अवसर नहीं हैं।*
  - ***सांस्कृतिक संघर्षः*** *शहरी जीवन शैली के तेजी से बढ़ते प्रवाह के कारण पारंपरिक ग्रामीण समुदायों में सामाजिक तनाव पैदा हो रहा है।*
- ***अनियमित निर्माण एवं शहरी विस्तार***

- *शहरी विस्तार से अक्सर कृषि भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। उदाहरण: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में अनियंत्रित विस्तार देखा गया है, जिससे हरित क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है और प्रदूषण बढ़ा है।.*

- ***स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ***
  - *सीमांत क्षेत्रों में निम्नतम दर्जे की स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा होता है। उदाहरण: मुंबई के उपनगरीय क्षेत्रों में, उच्च जनसंख्या घनत्व और खराब अपशिष्ट प्रबंधन के कारण अक्सर बीमारियाँ फैलती हैं।*

अनियोजित विकास के कारण

- ***अपर्याप्त नीतियाँ:*** *ग्रामीण और शहरी प्राधिकरणों के बीच एकीकृत नियोजन का अभाव।*
- ***जनसंख्या वृद्धि:*** *शहरों की ओर बढ़ते प्रवास से सीमांत क्षेत्रों पर दबाव बढ़ता है।*
- ***कमज़ोर ज़ोनिंग विधियां:*** *विनियमों के खराब क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप अवैध निर्माण होते हैं।*
- ***आर्थिक दबाव:*** *रियल एस्टेट की बढ़ती मांग से तदर्थ विकास होता है।*

ग्रामीण-शहरी सीमांत क्षेत्रों का अनियोजित विकास सतत विकास के लिए एक बड़ी चुनौती है। इसे संबोधित करने के लिए एकीकृत नीतियों, मजबूत प्रशासन और अवसंरचना में निवेश की आवश्यकता है। एक नियोजित दृष्टिकोण न केवल मुद्दों को कम करेगा बल्कि समावेशी विकास को भी सुनिश्चित करेगा, शहरी विस्तार को ग्रामीण कल्याण के साथ संतुलित करेगा।